षोडश

बिहार विधान सभा

द्वादश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 26 माघ, 1940 (श0) / 15 फरवरी, 2019 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 04

(1) स्वास्थ्य विभाग	04
कुल योग —	04

मशीन क्रय करना

6. श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 8 जनवरी, 2019 को प्रकाशित शीर्षक ''छह माह पहले राशि मंजूर, फिर भी नहीं आयी ब्रेकीथेरेपी मशीन'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कैंसर मरीजों की अन्दरूनी और बेहतर सेकाई करने वाली ब्रेकीथेरेपी मशीन राज्य के किसी भी सरकारी अस्पताल में नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इस मशीन की सुविधा हेतु राज्य सरकार द्वारा जुलाई, 2018 में ही 3 करोड़ 60 लाख रुपये मंजूर किया जा चुका है, लेकिन अभीतक ब्रेकीथेरेपी मशीन का क्रय नहीं होने के कारण रेडियोथेरेपी विभाग में पी0जी0 की पढ़ाई तो बंद ही है, कैंसर मरीजों को भी उसका लाभ नहीं मिल रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कबतक ब्रेकीथेरेपी मशीन क्रय करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

ट्रॉमा सेन्टर का निर्माण

7. श्री विनोद प्रसाद यादव--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राष्ट्रीय राजमार्ग एन0 एच0 2 जो उत्तर प्रदेश सीमा से झारखंड सीमा तक यथा गया, औरंगाबाद, सासाराम एवं कैमूर होकर गुजरता है, पर ट्रॉमा सेन्टर नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार एन0 एच0 2 पर सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को ससमय उपचार के लिये उत्तर प्रदेश सीमा से झारखंड सीमा के बीच गया जिला के शेरघाटी में ट्रॉमा सेन्टर स्थापित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री--अस्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि दुर्घटनाग्रस्त मरीजों के ट्रॉमा संबंधी प्रारंभिक उपचार की सुविधा अनुमंडलीय अस्पताल, शेरघाटी में उपलब्ध है। विशेष परिस्थिति में मरीजों को बेहतर चिकित्सा के लिये अनुग्रह नारायण मगध चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, गया में भेजा जाता है।

भारत सरकार के सहयोग से अनुग्रह नारायण मगध चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, गया में नये ट्रॉमा सेन्टर के भवन निर्माण की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। शेरघाटी अनुमंडल में अलग से ट्रॉमा सेन्टर खोलने की अभी कोई योजना नहीं है।

स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराना

8. डॉ0 रामानुज प्रसाद--हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 4 सितम्बर, 2018 को प्रकाशित शीर्षक ''नेशनल हेल्थ मिशन के तहत मात्र 16 फीसदी डॉक्टर पोस्टेड, बिहार में कैसे दौड़ेगी आयुष्मान भारत योजना'' के आलोक में क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्यस्तरीय अस्पतालों सहित राज्य के जिला अस्पतालों से लेकर पी0एच0सी0 तक के सभी अस्पतालों के लिये चिकित्सकों के कुल स्वीकृत 8,552 पदों के विरुद्ध मात्र 2,832 नियमित एंव 3,880 संविदा पर नियुक्त चिकित्सकों, कुल 6,712 चिकित्सकों से 10 करोड़ की आबादी का चिकित्सीय कार्य कराये जाने से प्रदेशवासियों को आयुष्मान भारत योजना सहित स्वास्थ्य लाभों से वंचित होना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार चिकित्सकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति कर प्रदेशवासियों को आयुष्मान भारत योजना सहित स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

एम्स का निर्माण कराना

9. श्री अखतरूल इस्लाम शाहीन--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि उत्तर बिहार में कोई एम्स नहीं रहने के कारण राज्य के गरीब मरीज दिल्ली एम्स में इलाज कराने पर मजबूर हैं, यदि हाँ, तो सरकार उत्तर बिहार के गरीब मरीजों को चिकित्सीय सुविधा सुलभ कराने के उद्देश्य से उत्तर बिहार में शीघ्र नये एम्स के निर्माण कराने की पहल करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 15 फरवरी, 2019 (ई0) ।

बटेश्वर नाथ पाण्डेय,
सचिव,
बिहार विधान सभा ।

बि0स0मु0 149(एल0ए0), 2018-19-डी0टी0पी0-550